962
1-9-18
शनीवार

आत्मा

जिन सफल व्यक्तीओं की चर्चा जगत करता है। उनके जिवन मे भी लाखो "असफलताएं" छिपी होती है।

बाबास्वामी
1/9/18

963
2-9-18
रविवार

आत्मा

हजारो असफलताओ की
एक सफल "मंझील" की
सिढ़ीया होती है,

बाबास्वामी
2|9|18

964
3-9-18
सोमवार

आत्मा

गल्ती करना मनुष्य
के "जिवंन्तता" का
प्रमाण होता है,-

बाबास्वामी
3|9|18

965
4-9-18
मंगलवार

❀ आत्मा ❀

जिवन मे गलती करो
चलेगा।। बस वही गलती
"बार बार" न करो।

बाबास्वामी
4/9/18

966

5-9-18

बुधवार

आत्मा

परमात्मा कभी भी
"प्रयत्न" से पाया
नहीं जा सकता है,

बाबास्वामी
5/9/18

967
6-9-18

गुरुवार

आत्मा

जिवन मे "परमात्मा" को तब पाया जब सारे प्रयास असफल सिध्द हुये।

बाबास्वामी
6|9|18

968
7-9-18
शुक्रवार

ꕥ आत्मा ꕥ

परमात्मा एक जिवन्त
अनुभुती है, जो शरीर
के "प्रयास" से कभी
नही मिलती

बाबास्वामी
7/9/18

969
8-9-18
शनीवार

❀ आत्मा ❀

परमात्मा को पाने का
मार्ग "प्रार्थना" है, प्रार्थना
भितर से होनी चाहीये,

बाबास्वामी
8/9/18

9/10

9-9-18

रविवार

आत्मा

मेरा सफल जिवन आज दुनीया को दिख रहा है। उसके पिछे लाखो असफलतारो "छीपी" है।

बाबास्वामी
9|9|18

971
10-9-18
सोमवार

❀ आत्मा ❀

कई दिन केवल "ध्यान" करने के लिये बैठना पड़ता है तब कहीं किसी रोज दिन ध्यान लगता है।

बाबा स्वामी
10/9/18

972
11-9-18
मंगलवार

❀ आत्मा ❀

ध्यान लगना तो परमात्मा की कृपा है, लेकीन उस कृपा को पाने के लीये "अविरत" साधना आवश्यक है।

बाबा स्वामी
11/9/18

973
12-9-18
बुधवार

❀ आत्मा ❀

ध्यान कोई आपका
"नौकर" नहीं है, जो
आप बुलायें तभी
दौड़ा चला आये

बाबा स्वामी
12/9/18

974
13-9-18

गुरुवार

❀ आत्मा ❀

ध्यान तो परमात्मा की "बरसाद" है। कभी भी बरस सकती है।

बाबास्वामी
13|9|18

975
14-9-18
शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

लेकिन उस बरसाद
के लिये हमारा शरीर
रूपी खेत "सदैव"
तैयार होना चाहिये

बाबा स्वामी
14.9.18

976

15-9-18

शनिवार

आत्मा

ध्यान के प्रगती की दो बाधाएं है, एक "अपेक्षा" व दुसरी "आलस" है।

बाबास्वामी

15|9|18

997
16-9-18
रविवार

❀ आत्मा ❀

ध्यान के समय कोई भी "अपेक्षा" रखने पर ध्यान की आत्मा ही नहीं रह जाती है।

आबाद-वामी
16/9/18

978
17-9-18
सोमवार

आत्मा

ध्यान में "आलस्य" के
कारण हम प्रगती नही
कर पाते हैं,

बाबास्वामी
17/9/18

9/9

18-9-18

मंगलवार

आत्मा

आलसी लोग जिवन मे कीसी क्षैत्र मे भी "प्रगती" नहीं कर सकते है।

बाबास्वामी
18|9|18

१४०
19-9-18
बुधवार

आत्मा

"ध्यान" की नियमीतता
ध्यान की सभी समस्या
का हल है।

बाबास्वामी
19/9/18

९४।
20-9-18
गुरुवार

❀ आत्मा ❀

नियमीतता के साथ²
"सामुहीकता" मे होना
चाहीये। ध्यान।

बाबास्वामी
20|9|18

982

21-9-18

शुक्रवार

आत्मा

ध्यान के "बीज" के
बीना ध्यान का
पौधा उग ही नही
सकता है।

बाबास्वामी
21/9/18

22-9-18

शनीवार

❀ आत्मा ❀

कितना ही उच्च किस्म
का बीज हो बीना
"पानी" के अंकुरीत
नही हो सकता ।

बाबास्वामी
22|9|18

984

23.9.18

रविवार

❀ आत्मा ❀

ध्यान का बीज भी
बीना "साधना" के पानी
के बीना अंकुरीत नहीं
हो सकता है।

बाबास्वामी
23|9|18

985

24.9.18

सोमवार

❀ आत्मा ❀

ध्यान का बीज वह
सत्य है, जिस "सत्य"
की खोज मे ही आपने
जन्म लिया है,

द्वारकाधीश
24/9/18

25.9.18
मंगलवार

❀ आत्मा ❀

सत्य जिसने अनुभव
किया है, वही माध्यम
सत्य को "अनुभव" करा
सकता है,

बाबा स्वामी
25/9/18

९१७
26.9.18
बुधवार

आत्मा

सत्य जाती, धर्म, भाषा से भी परे होता है। जो "माध्यम" इन सिमाओ से परे है, वही सत्य की अनुभुती करा सकता है।

बाबास्वामी
26/9/18

998

27.9.18

गुरुवार

❀ आत्मा ❀

"सत्य" के अनुभुती के लिये हमे भी जाती धर्म भाषा देश की सिमाओ से परे होना होगा।

बाबास्वामी
27/9/18

28.9.18

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

जाती, धर्म, भाषा, देश,
की सिमाओ से बंधा
"माध्यम" कभी भी सत्य
को अनुभुती नही करा
सकता है,

आत्मा स्वामी
28/9/18

1000

29.9.18

शनिवार

आत्मा

जिस माध्यम ने सत्य जाना है, वह जाती धर्म, भाषा, देश की सिमाओ से पार और "मुक्त" हो जाना है,

बाबास्वामी
29|9|18

1801

30.9.18

रविवार

❀ आत्मा ❀

सत्य हमे जाती धर्म

भाषा देश की सीमाओ

से "मुक्त" करता है।

बाबा स्वामी

30/9/18